Twitter Thread by BHK■■



BHK■■
@Kalburgism

■THREAD■

1/10
Saba Naqvi made fun of ShivLing shaped Nuclear reactor without knowing the background behind it.
Bhagwan Shiv is the ultimate source of energy.

Why every atomic nuclear plant in the world geometrically resembles with shiv ling?



2/10

Historian P.N.Oak described 12 Molecular Energy Centre of Ancient India in Chapter 21 of First Block in his famous book "Vaidik Vishwa: Rasthra Ka Itihaas". According to OAK that in India there are 12 Jyotirlinga.

Jyoti = Light/energy
Ling = Symbol

ये ज्योतिर्लिंग इस प्रकार है—(१) सोमनाथ, (२) मल्लिकार्जुन, (३) महाकालेश्वर, (४) ओंकारेश्वर, (५) वैद्यनाथ, (६) नागनाथ, (७) केदारेश्वर, (८) त्र्यंबकेश्वर, (९) रामेश्वर, (१०)भीमाशंकर, (११)विश्वनाथ और (१२) घृष्णेश्वर।

प्रत्येक आस्तिक हिंदू के मन में इन पीठों के प्रति गहरी श्रद्धा और भक्तिभाव होता है। इसी कारण जीवन में कम-से-कम एक बार उन सबके दर्शन करने को वह उत्सुक होता है।

वर्तमान सार्वजनिक धारणा यह है कि उन स्थानों की बड़ी आध्यात्मिक पवित्रता है तथापि अन्य कई प्रमाणों से यह स्पष्ट होता है कि वह महत्पूर्ण, गंभीर श्रद्धाभाव इसलिए है कि वे किसी प्राचीन युग के ऊर्जा केन्द्र रहे हैं।

उन सारे स्थानों पर लंब गोलाकार शिवलिंग प्रतिष्ठित हैं। उस आकार का विचार कीजिए। बम्बई उर्फ मुम्बई नगर के ट्राम्बे विभाग में जो अणुभट्टी है, उसका आकार पूर्णतया एक विशाल शिवलिंग जैसा ही है।

शिवलिंग जिस शिला पर खड़ा रखा जाता है उस शिला पर तरंग दर्शाये होते हैं। वैसे ही अणु-रेणु के भ्रमण मार्ग आधुनिक पदार्थ विज्ञान शास्त्र (physics) की पुस्तकों में भी दिग्दर्शित होते हैं।

'शिव' यानी पवित्र और 'लिंग' यानी चिह्न। शिव यह शक्ति का पति कहलाता है। शिव बड़ा शक्तिमान् होता है। शिव बड़ा क्रोधी भी होता है। सारों का कल्याण करा सकने वाली शिव की शक्ति होती है। अणु-शक्ति में भी कई प्रकार से जनकल्याण साधने की क्षमता होती है।

किन्तु वही कल्याणकारी शक्ति कहीं से अनियंत्रित होकर बहने लगी तो वह सर्वनाश कराती है। शिव जी का भी वैसा ही है। वे यदि क्रुद्ध हो गए तो उनके तृतीय नेत्र से झरने वाला तेज सारे विश्व को नष्ट कर सकता है। शिव जी जब ताण्डव नृत्य करते हैं तो पंचमहाभूतों के मंथन से सृष्टि काँप उठती है। अणुशक्ति का ताण्डव उसी भयानक प्रकार का होता है।

महाभारत के समय उन १२ केन्द्रों में अणुशक्ति का उत्पादन होता था। यदि आधुनिक वैज्ञानिक साधनों से उन स्थानों की आणविक जाँच

करवाकर पता लगाया जा सकता है तो लगाया जाए।

आस्ट्रेलिया नाम भी प्राचीन अस्त्रालय नाम है। वह सारा प्रदेश वीरान अनुपजाऊ बनने का कारण प्राचीन अणुविस्फोट हो सकते हैं। आधुनिक कसौटियों से उसकी भी जाँच करा ली जाए।

ज्योतिर्लिंग शब्द से स्पष्ट है कि उन केन्द्रों से तेज या ऊर्जा की ज्योति निकलती थी। अमेरिका में भी Livermore नगर में जहाँ 'लेझर' (Laser) नाम की बड़ी शक्तिमान् ज्योति प्रकट की जाती है उस यंत्रज्ञ को भी अमेरिका वालों ने ऐतिहासिक योगायोग से 'शिव' नाम ही दिया है।

संस्कृत में आकाशस्थ तारकादि का जो दिव्य तेज होता है उसे ज्योति कहा जाता है। लिंग का 'चिह्न' ऐसा भी अर्थ है और उससे उत्पादन क्षमता भी प्रतीत होती है।

शिव को त्रिअंबक (त्र्यंबक) यानी तीन चक्षु वाला कहते हैं। शिवजी का तृतीय नेत्र यदि क्रोध से खुल गया तो उससे निकलने वाले तेज के किरण सारी सृष्टि को पिघला सकते हैं या भग्न कर सकते हैं। ग्रीक कथाओं में ललाट के मध्य में ऐसा ही विनाशक चक्षु होने वाले राक्षसों का उल्लेख है। उन्हें सायक्लोप्स (Cyclops) कहा जाता था। मनुष्य की आत्मा वहीं होती है। वही सारी शारीरिक क्रियाओं का संचालन और नियंत्रण करती है।

ब्रह्मा-विष्णु-महेश त्रिमूर्ति में अंतिम विनाश का कार्य शिवजी के तृतीय नेत्र की ज्वाला से होता है। अणुशक्ति का सदुपयोग और दुरुपयोग भी जिस प्रकार हो सकता है वैसे ही शिवजी की कृपादृष्टि से कल्याण और वक्र दृष्टि से विनाश होता है।

शिव की उस सर्वनाशी शक्ति के कारण उसे महाकाल भी कहते हैं। शिवजी को महाप्रलयंकारी भी कहा जाता है।

आधुनिक वाक्प्रचार में विद्युत् या अन्य किसी भी ऊर्जा को पॉवर (power) यानी 'शक्ति' या ऊर्जा कहते हैं। वह वैदिक परिभाषा का ही तो शब्द है। पार्वती, दुर्गा, भवानी, चंडी को शक्ति भी कहते हैं। इसीलिए उसके भक्तों को शाक्त कहते हैं।

भगवान् शिव का कोप होता है तो वे रुद्रावतार धारणकर तृतीय

3/10

The base of a lingam looks similar to a round structure at the bottom of a nuclear reactor containment building that is used to dispose of polluted water. Water is used to cool a nuclear reactor. In the same way, water dribbles on a Shiva lingam from a vessel hung over it.

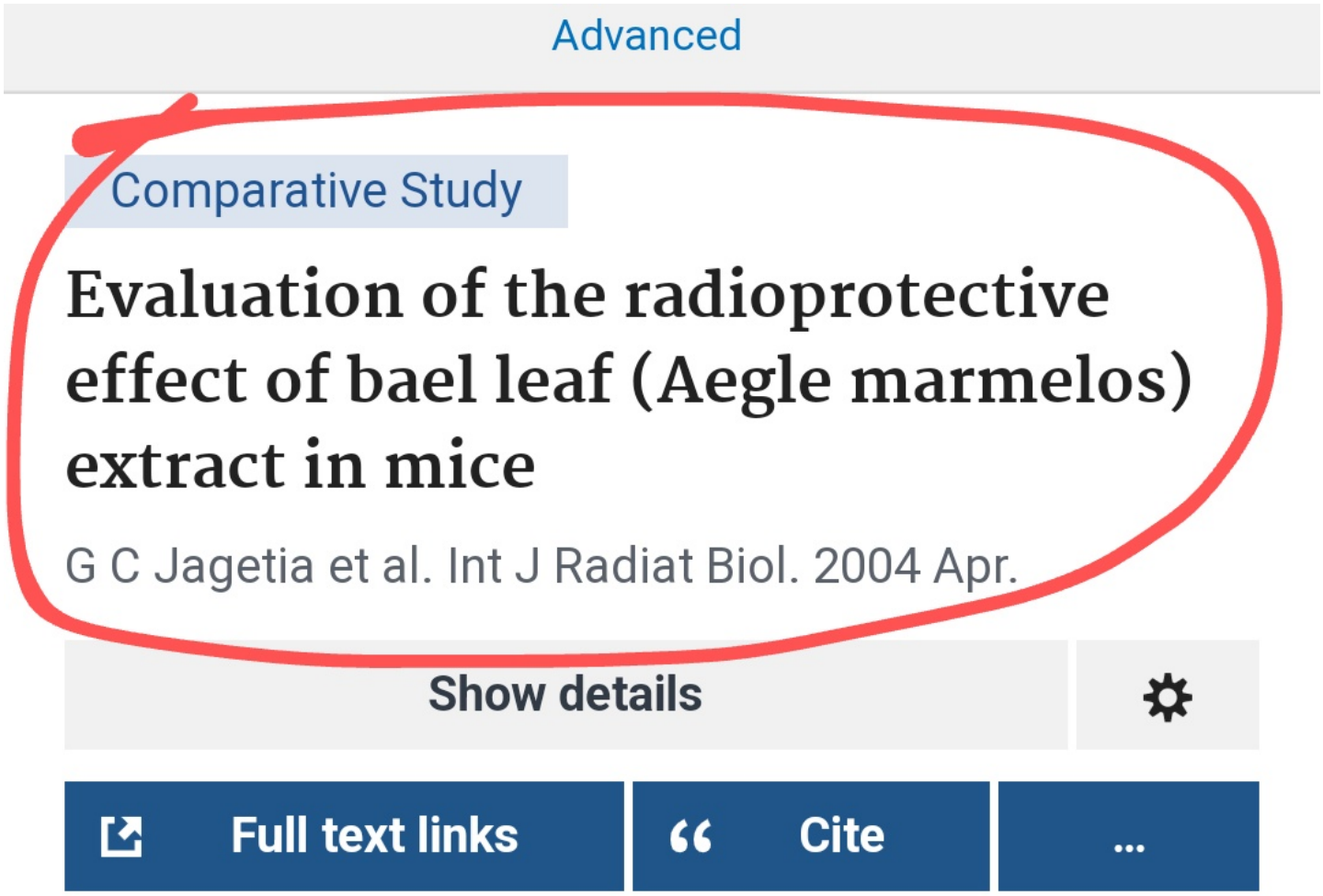


4/10
Shiv Ling is the only geometrical shape that can withhold a tremendous form of energy, scriptures say that a vast amount of energy continuously radiates from shiv linga. Most of the nuclear reactors and Shiva temples are built near an abundant source of water.

5/10
Devotees of Shiva complete only ¾ round of the Shivling. They must turn back from the water outlet. They are not supposed to cross that waste water channel because the water coming out of Shivling is considered as contaminated with radiation and that one must not touch it.

6/10
It is scientifically proved that an extract of bel leaf ■(Aegle marmelos) reduces the symptoms of radiation-induced sickness and increases survival of the victim.

Now you know why Hindus offer bel leaves on a Shiva lingam and why they are favorites of Lord Shiva.



7/10

Things like Bel-Patra, aak, aakmad, dhatura, gudhal etc are said to be the favourite things of Shiva. All these are very good absorbers of energy.

8/10

In 2008 News was published that Uranium is available in Varanasi Groundwater. Then Scientists used samples of 11 different Tubewell and found that there is 2-11 ppb Uranium in Water. So that there is probability that there was a big Nuclear Reactor at this Holy Place.

rediff NEWS

Underground water in Varanasi radioactive?

By Indukant Dixit in Varanasi
July 13, 2008 16:35 IST

In an alarming development, a group of scientists has revealed that underground water in Varanasi and adjoining areas in Uttar Pradesh is contaminated with Uranium but the Centre and the state government are unaware of the fact.

The study conducted by G C Chowdhary, former professor at the Geology Department of Banaras Hindu University and S K Agarwal, also a professor of Geology, has shown that the drinking water in the University premises some other places in the city contains radioactive Uranium more than the recommended limit.

Samples for the study were collected from 11 tubewells tapping deep aquifers (more than 100 meters deep).

The Uranium content varied from 2 to 11 ppb (parts per billion) while the permissible limit is only 1.5 ppb.

Chowdhary said the underground water also contains heavy metals such as Chromium, Manganese, Nickel, Ferrous, Copper, Zinc and Lead.

9/10

According to Fritjof Capra (a physicist), the Tandava of Nataraja (the cosmic dance of Lord Shiva) metaphorically represents the subatomic particle dance. The statue of Nataraja is kept in CERN, the European Organization of Nuclear Research in Geneva.



10/10

Lastly, the energy of Lord Shiva is so intense that it can cause a huge destruction that can lead to mass extinction. And this is why Michael Rampino and Bruce Haggerty named the theory of "Shiva Hypothesis" in 1984 after Lord Shiva, the god of destruction.

the pioneer
Wednesday, 18 May 2022

‘Shiva Hypothesis’ on 6th mass extinction of earth

Wednesday, 06 March 2019 | GYANENDRA NATH MITRA

A total of five mass extinctions occurred during the last 500 million history of the planet earth, when more than 75 per cent of existing life forms had gone extinct. Various causes have been ascribed for each of the five mass extinctions.

The most recent, 5th mass extinction took place about 66 million years ago, when a huge meteorite with a radius of about 10 km crashed on the earth and made a crater with 180 km diameter and 20 km deep in the Yucatan village, Chicxulubin Mexico. The impact created a doomsday scenario.

Can the 6th mass extinction occur in a similar manner and all of us would disappear before we figure out what hit us? Michael Rampino and Bruce Haggerty (1984) proposed the ‘Shiva hypothesis’ (named after Lord Shiva, the Hindu God of destruction) based on an earlier paper of Napier and Clube (1979). According to this hypothesis, the earth experiences large impact events with comets every 30 million years when solar system crosses the plane of Milky Way galaxy. This causes gravitational disturbances in the cloud of comets (Oort cloud) surrounding the solar system and sends some of them hurling towards the inner solar system. These may be propelled to collide with the earth by the ‘sling shot’ gravitational action of Jupiter (NASA’s Voyager-1 and 2 used this effect to escape Sun’s gravity)

Follow me if you liked this Thread.